सम्पूर्ण कार्यपत्रक संग्रह

कक्षा - 5

विषय - हिन्दी (कलरव)

प्रकरण - मै और मेरा देश

कार्यपत्रक निर्माण-
प्रतिभा यादव (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव,
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला-सहारनपुर।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा-5 **विषय-हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

महान सन्त स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए। वे रेल मे यात्रा कर रहे थे। एक दिन ऐसा हुआ कि उन्हें खाने को फल न मिले। उन दिनो फल ही उनका भोजन था। गाड़ी एक स्टेशन पर ठहरी। उन्होने स्टेशन पर फलों की खोज की किंतु पा न सके। उनके मुँह से अचानक निकला- "जापान मे शायद फल नहीं मिलते।"

एक जापानी युवक प्लेटफॉर्म पर खड़ा था। उसने ये शब्द सुन लिए। सुनते ही वह भागा और कहीं से एक टोकरी ताजे फल ले आया। उसने वे फल स्वामी रामतीर्थ को भेंट किए और कहा, "लीजिये, आपको फलों की जरुरत थी।"

ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) स्वामी रामतीर्थ को स्टेशन पर फलों की खोज क्यों करनी पड़ी?

2) जापानी युवक स्वामी जी के लिये फल क्यों ले आया?

द्वारा- प्रतिभा यादव (स·अ·), प्रा·वि·चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा- 5 विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

स्वामी जी ने समझा यह कोई फल बेचने वाला है। उन्होने उससे फलों के दाम पूछे, पर उसने दाम लेने से इन्कार कर दिया। बहुत आग्रह करने पर उसने कहा, "आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं तो अपने देश मे जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान मे फल नही मिलते।" स्वामी जी युवक का यह उत्तर सुनकर मुग्ध हो गए। उस युवक ने अपने इस कार्य से अपने देश का गौरव न जाने कितना बढ़ा दिया।

ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1) स्वामी जी ने युवक को देखकर क्या समझा?

2) स्वामी जी द्वारा फलों का मूल्य दिये जाने पर जापानी युवक ने क्या कहा?

3) युवक के इस कार्य से क्या हुआ?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा- 5 **विषय- हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

इस गौरव की उँचाई का अनुमान दूसरी घटना सुनकर ही पूरी तरह लगाया जा सकता है। किसी देश का एक युवक जापान मे शिक्षा लेने आया। एक दिन वह सरकारी पुस्तकालय से कोई पुस्तक पढ़ने के लिये लाया। इस पुस्तक मे कुछ दुर्लभ चित्र थे। इन चित्रों को उस युवक ने पुस्तक मे से निकल लिया और पुस्तक वापस कर दी। किसी जापानी विद्यार्थी ने उसे देख लिया और पुस्तकालय प्रभारी को इसकी सूचना दे दी। पुलिस ने तलाशी लेकर वे चित्र उस विद्यार्थी के कमरे से बरामद किए और उस विद्यार्थी को जापान से निकाल दिया गया।

ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर दिये गए प्रश्नो के उत्तर दे-

1) किसी देश का एक युवक जापान क्यों आया?
2) युवक सरकारी पुस्तकालय से क्या लाया?
3) पुस्तक मे क्या था?
4) युवक ने पुस्तक मे से क्या निकाल लिया?
5) युवक को जापान से क्यों निकाल दिया गया?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा-5 **विषय- हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

अपराधी को दंड मिलना ही चाहिए, पर मामला यहीं नही रुका और उस पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि पुस्तकालय मे इस विद्यार्थी का तो प्रवेश वर्जित है ही, उसके देश के निवासियों का भी प्रवेश वर्जित है।

जहाँ एक युवक ने अपने काम से अपने देश का सिर ऊँचा किया था, वहीं दूसरे युवक ने अपने काम से अपने देश के मस्तक पर कलंक का ऐसा टीका लगाया, जो न जाने कितने वर्षों तक संसार की आँखो मे उसे लाँछित करता रहा।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

1) पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर क्या लिख दिया गया?

2) क्या अपराधी को दंड मिलना चाहिए?

3) युवक और उसके देशवासियों का पुस्तकालय में प्रवेश क्यों वर्जित कर दिया गया?

4) इस अनुच्छेद से आपको क्या सीख मिली?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 **विषय-हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

जब हम कोई हीन या बुरा काम करते है तो हमारे माथे पर ही कलंक का टीका नही लगता, बल्कि देश का भी सिर नीचा होता है और उसकी प्रतिष्ठा गिरती है। जब हम कोई श्रेष्ठ कार्य करते हैं तो उससे हमारा ही सिर नहीं ऊँचा होता, बल्कि देश का भी सिर ऊँचा होता है और उसका गौरव बढ़ता है। इसलिये हमें कोई ऐसा कार्य नही करना चाहिए जिससे देश की प्रतिष्ठा पर आँच आए।

क्या आप चलती रेलों मे, मुसाफिर खानों मे, क्लबों में, चौपालों पर और मोटर बसों में कभी ऐसी चर्चा करते हैं कि हमारे देश में यह नहीं हो रहा है, वह नहीं हो रहा है और यह गड़बड़ है, यह परेशानी है। साथ ही, क्या आप अपने देश की तुलना किसी अन्य देश के साथ करते हैं कि कौन-सा देश श्रेष्ठ है और कौन-सा देश हीन है? यदि हाँ, तब आप को चिंता होगी कि देश की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिये हमे क्या करना चाहिए।

ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

1) जब हम कोई हीन या बुरा काम करते है तो क्या होता है?
2) जब हम कोई श्रेष्ठ कार्य करते है तो क्या होता है?
3) अपने देश की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
4) आपको अपना देश कैसा लगता है?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 **विषय-हिन्दी**

प्रकरण-पाठ-8-मै और मेरा देश

क्या आप कभी केला खाकर छिलका रास्ते में फेंकते हैं? अपने घर का कूड़ा बाहर फेंकते हैं? अपशब्दों का प्रयोग करते हैं? इधर की उधर, उधर की इधर लगाते हैं? अपने घर,दफ्तर,गली को गन्दा रखते हैं? होटलों,धर्मशालाओं में या दूसरे ऐसे ही स्थानों में,जीनों में,कोनों में पीक थूकते हैं? उत्सवों,मेलों,रेलों और खेलों में ठेलम-ठेल करते हैं, निमंत्रित होने पर विलंब से पहुंचते हैं या वचन देकर भी घर आने वालों को समय पर नहीं मिलते और इसी तरह शिष्ट व्यवहार के विपरीत आचरण करते हैं?

यदि आपका उत्तर 'हाँ' है, तो आप के द्वारा देश के सम्मान को भयंकर आघात लग रहा है और राष्ट्रीय संस्कृति को गहरी चोट पहुँच रही है। यदि आपका उत्तर 'नहीं है', तो आपके द्वारा देश का सम्मान बढ़ेगा और संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर यह बताईये कि हमारी कौन-कौन सी आदते हमारे देश के सम्मान को आघात पहुँचा सकती है और हमे अपने देश के सम्मान को बनाये रखने के लिये क्या करना चाहिए?

Pratibha Yadav, the educator.
Primary school Chauradev, Saharanpur.

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा- 5 **विषय- हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश

☆ मुहावरों के अर्थ समझकर उनका वाक्यों में प्रयोग किजीए-

● सिर ऊँचा करना = सम्मान बढ़ाना

वाक्य - राहुल ने कक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार का सिर ऊँचा कर दिया।

● कलंक का टीका लगाना = बदनामी कराना

वाक्य - रवि के बुरे कामो ने उसके परिवार के माथे पर कलंक का टीका लगा दिया।

● प्रतिष्ठा पर आँच आना = सम्मान घटना

वाक्य - राहुल के दादाजी ने कभी अपनी प्रतिष्ठा पर आँच नही आने दी।

● इधर की उधर लगाना = एक से दूसरे की शिकायत करना

वाक्य- रोहन की बुआ जी की यही आदत है कि वे हमेशा इधर की उधर लगाती हैं।

Pratibha Yadav, the educator. Primary school Chauradev, Saharanpur.

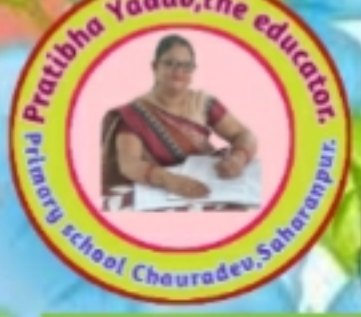

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 **विषय-हिन्दी**

प्रकरण-पाठ-8-मै और मेरा देश

● **शब्दार्थ-**

1) आग्रह = अनुरोध 2) मुग्ध = मोहित

3) आघात = चोट 4) सुरक्षित = अच्छी तरह रक्षा किया हुआ

5) लाँछित = कलंकित 6) संस्कृति = शुद्ध आचरण की परम्परा

7) गौरव = बडप्पन 8) अपशब्द = गाली-गलौज

● वाक्यों को पढ़िए और सोचकर लिखिए-अच्छी आदत/गलत आदत-

क) केला खाकर छिलका रास्ते मे फेंकना।_____

ख) अपने घर का कूड़ा बाहर सड़क पर फेंकना। _____

ग) शौचालय का प्रयोग करना और साबुन से हाथ धोना। _____

घ) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर पढ़ना। _____

ड़) अपना घर,गली,स्कूल,बस,ट्रेन को गन्दा करना। ____

च) पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना। _____

छ) यातायात के नियमों का पालन करना। _____

ज) उत्सवों,मेलों,रेलों और खेलों में धक्का-मुक्की करना। ____

झ) अनावश्यक पानी न बहाना। _____

ञ) हर दिन समय से स्कूल आना। _____

Pratibha Yadav,the educator.
Primary school Chauradev,Saharanpur.

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰), प्राथमिक विद्यालय चौरादेव।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला- सहारनपुर

कक्षा- 5 **विषय- हिन्दी**

प्रकरण- पाठ-8- मै और मेरा देश (वचन)

☆ वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलिये-

- पुलिस ने एक चित्र बरामद किया।
  पुलिस ने कई चित्र बरामद किए।
- बालिका ने एक पुस्तक खरीदी।
  बालिका ने कई पुस्तकें खरीदी।
- बालक ने एक खिलौना खरीदा।
  बालक ने कई खिलौने खरीदे।
- रमेश ने एक रोटी खाई।
  रमेश ने कई रोटियाँ खाईं।

☆ विलोम शब्द-

1) ताजा - बासी 2) बढ़ा देना - घटा देना
3) दुर्लभ - सुलभ 4) दण्ड - पुरस्कार
5) श्रेष्ठ - हीन 6) सुरुचि - कुरुचि
7) सुरक्षित - अरक्षित 8) अस्वीकार करना - स्वीकार करना

Pratibha Yadav, the educator. Primary school Chouradev, Saharanpur.